रात्रिक्लास 13-4-66 ओमशान्ति "बाप और वर्सा याद है?"

****

बाप कहने से यह तो दिल में आ जाता है कि स्वर्ग के मालिक बनें। बाबाको याद करने से खुशी का पारा चढ़ जाना चाहिए। सारा चक्र भी याद आ जाना चाहिए। हम वर्सा पाने के हकदार हैं। यह चित्र है सब से अच्छा। लिखना है यह गाड फादरलो बर्थ राईट है सो भी अभी पुरुषोत्तम संगम युग पर। पुरुषोत्तम संगम का अर्थ भी समझते नहीं। पुरुषोत्तम माना कलियुग के अन्त सतयुग आदि का यह संगम युग। यह तुम्हारा ईश्वरीय जन्म सिध अधिकार है। जो विनाश के पहले पा सकते हो। बाबा बोला मत्त स्वर्ग का मालिक। बाबातो स्वर्ग ही स्थापन करते हैं। तुम यहां बैठे हो जैसे कि स्वर्ग में बैठे हो। अगर बाप को याद करते हो तो। परन्तुयाद करते नहीं हैं। बच्चों को नशा नहीं चढ़ता। गायन है घर के गंगा को नहीं मानते। वह खुशी नहीं है। बाप स्वर्ग का वर्सा दे रहे हैं। ऐसे सहज बात भी समझने का अक्ल नहीं। गोद बुद्धि चेंज नहीं हुई है। बाप जानते हैं यह बच्चे स्वर्ग का श्रृंगार करते हैं। लक्ष्मी सितारे हैं। वह आसमान के तुम सच्चे2 इस भारत भूमि के सितारे हो। ज्योत तो सभी के जग जाती है। बच्चे सर्विस करते हैं तो खुशी होती है। यहां भी बच्चे प्रदर्शनी के लिए प्रबन्ध रच रहे हैं। पहले2 इनकी महिमा लिखनी चाहिए। भारतवासी का यह जन्मसिध अधिकार है। इस लड़ाई से पहले पा सकते हैं। बाबा आगे बहुत कहा है परन्तु ध्यान में नहीं आता है कोई को। अभी ध्यान में बच्चों को आया है चित्र ऐसा है जो देखने से ही आ जाये। समझाने वाले भी ऐसे हों। यहबर्सा है। भारत की गवर्मेन्ट भी यह चाहती है कि विश्व में शान्ति हो। यह विश्व में शान्ति का राज्य था ना। कोई जानते ही नहीं। तुम उन्हों को बुधि में बिठावेंगे। बहुत आवेंगे उन्हों का कल्याण होगा। तुरत दान.... देरी नहीं करनी चाहिए। सर्विस का जिसको खयाल होता है बाबाउनको बहुत पसंद करते हैं। महारथी राईट हैंड वह हैं। बहुतों कोनालेज मिलेगी। समझेंगे यह तो बड़ी अच्छी संस्था है। नहीं तो आबू में कोई दो बार ऐसे हैं जो कोकहते हैं यहां ब्रहमा कुमारियों पास जावेंगे तो वह घेटा बना देंगी। मनुष्य डरपोक तो है ना। राजस्थान और अहमदाबाद वालों का यह हिल स्टेशन है। बहुत आते हैं तो अन्दर में होता है बहुतों कोरास्ता बतावें। बड़ी खुशी की बात है। तुमकिसके बच्चे हो? वेद के बाप दादा के। हम जानते हैं हम विश्व के मालिक बन रहे हैं। तो कितनी खुशीहोनी चाहिए। याद यात्रा कितनी सहज है। बाप तो रात-दिन याद आनाचाहिए। सिर्फ एक वा दो घंटा क्यों। ऐसे बाप को तो रात को भी जाग कर याद करना चाहिए। याद भी करना है एक को। बहुत आते हैंपूरा निश्चय नहीं तो कहेंगे जगदम्बाका दीदार करें। समझो कि अभी निश्चय नहीं है। कितने मेले आद लगते हैं। भक्ति मार्ग माना ही दुर्गति मार्ग। जाते हैं अपने दुर्गति करने लिए। ज्ञान स्नान करना होता है या पानी में स्नान करना होता है जहां गटर का पानी जाता रहता है। अभी भूलो मत। सर्विस का बहुत ही ओनारखाना है। ज्ञान का सागर तो बाप ही है। वह आकर सृष्टि का सारासमाचारसुनाते हैं। बाप कहते हैं आगे तुम ही जाने थे। अनपढ़ तुच्छ बुधि थे ना। अभी तुम कितना ऊंच पाते हो। हर एक को पैगाम देना है। बाप आया हुआ है वैज तुम सौगात दे सकते हो। बनाने वाले को लाख दो बनाना चाहिए। पर्चे भी बहुत अच्छे हैं। बांटो। एक्ज भूल है जिस कारण ही पतित बन पड़े हो। कोई भी टाईम मिले तो यह पर्चे उठाकर जाओ समझो बोलो यह पदमों का खजाना है। इनको अच्छी रीत पढ़ना। पाई भी खर्ची नहीं है। बिगर कौड़ी खर्च विश्व कामालिक। सर्विस तो बहुत ही है। बाबा कहते हैं सभीभाषाओं में यह छपासक्ते हैं। बाप कहेंगे सभी भाषाओं में इतने लाख छपा कर भेज दो। है तो सभी बाप के घर ना। शुभ कार्य में देरी नहीं। अगर बनारस में बहुत खुब लोट सकते है। तुम केस तो कर नहीं सकते हो। कण2 में परमात्माकह देते हैं। झूठी गाली। लड़ना चाहिए अच्छीरीत। ऐसा वकील बैरीस्टर हाथ में आवे। अजन वह नशा चढ़ा नहीं। तुम वहम केस कर सकते हो। ।ख-20 केस लोक दो। यह भारत की ग्लानी है। अच्छा मीठे2 रूहानी सिकीलधे बच्चों प्रति रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट रूहानी बच्चों कोरूहानी बाप का नमस्ते नमस्ते।